# हिन्दी-भाषा शिक्षण में कंप्यूटर की भूमिका

**डॉ. मनोज कुमार**
सनातन धर्म कॉलेज, अम्बाला छावनी

संगणक और इण्टरनेट ने पिछले वर्षों में विश्व में सूचना क्रांति ला दी है। आज कोई भी भाषा संगणक से दूर रहकर लोगों से जुड़ी नहीं रह सकती। संगणक के विकास के आरम्भिक काल में अंग्रेजी को छोड़कर विश्व की अन्य भाषाओं के संगणक पर प्रयोग की दिशा में बहुत कम ध्यान दिया गया जिस कारण सामान्य लोगों में यह गलत धारणा फैल गयी कि संगणक अंग्रेजी के सिवाय किसी दूसरी भाषा (लिपि) में काम ही नहीं कर सकता। किन्तु यूनिकोड के पर्दापण के बाद स्थिति बहुत तेजी से बदल गयी।

इस समय हिन्दी में सजात्य (Websites) चिट्ठे (Blogs) विपत्र (email) गपशप (chat) खोज (web search) सरल सन्देश (sms) तथा हिन्दी सामग्री उपलब्ध हैं। इस समय अन्तरजाल पर हिन्दी में संगणक के संसाधनों की भी भरमार है और नित नये भाषा-कम्प्यूटिंग के साफ्टवेयर आते जा रहे हैं। लोगों को इसके बारे में जानकारी देकर जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। ताकि अधिकाधिक लोग संगणक पर हिन्दी का प्रयोग करते हुए अपना, हिन्दी का और पूरे हिन्दी समाज का विकास करें। एक सर्वे के अनुसार भारत में देखे जोने वाले ऑनालाइन विडियो में से 58% विडियो हिन्दी में होते हैं जबकि केवल 16% अंग्रेजी में 12019 में गुगल ने कहा था कि खोज (सर्च) करने के लिए भारत में अधिकांश लोग हिन्दी पसन्द करते हैं। शायद ही कोई ऐसा कार्यक्षेत्र हो जहां कंप्यूटर की पहुंच ना हो। शिक्षा का क्षेत्र या मनोरंजन का, व्यवसाय का हो या विज्ञान और तकनीक का, राजनीति का हो या चिकित्सा का कोई भी क्षेत्र कंप्यूटर के बिना अधूरा है।

**कंप्यूटर और हिंदी भाषा :** भारतीय भाषाओं में काम करने वाले साफ्टवेयरों के विकास में सबसे अधिक क्रांति सूचना एवं प्रौद्योगिक के क्षेत्र में आई। इन भाषाओं में सबसे पहले हिन्दी भाषा में काम करने के लिए साफ्टवेयर विकसित किए गए। भारत में पहला व्यक्तिगत हिंदी कंप्यूटर 15 दिसम्बर 1997 को प्रस्तुत किया गया। यह पहली और एक मात्र कंप्यूटर संचालित हिंदी प्रणाली है इसका डाटा विकास का कार्य आई.बी.एम. ने किया है।

**कंप्यूटर पर हिंदी और इंटरनेट :** इंटरनेट की उपयोगिता को देखते हुए अब हिंदी में भी वेब साइटस खुल गई हैं। वेब दुनिया डॉट काम (webdania) ऐसी ही एक साइट है जिस पर आप सिर्फ हिन्दी भाषा में सूचनाएं प्राप्त कर सकते हैं। इसमें समाचारों के अलावा समाज के हर क्षेत्र से संबंधित सूचनाएं हिन्दी में उपलब्ध हैं। इसी तरह रेडिफ डॉट कॉम (rediff.com) तथा इंडिया डॉट कॉम (India.com) पर भी हिंदी की साइटस तथा पोर्टल मोजुद है। हिन्दी में खोली गई वेबसाइटों की एक विशेषता यह भी है कि आप हिंदी में ही कमांड दे सकते हैं तथा सूचनाएं प्राप्त कर सकते हैं। हिन्दी साहित्य प्रेमी अनुभूति अभिव्यक्ति डॉट कॉम की साइट खोलकर पूरा-पूरा आनन्द प्राप्त कर सकते हैं और साहित्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। आज उच्चारण की पहचान करने वाले कंप्यूटर भी अस्तित्व में आ चुके हैं। ये सभी तक अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध हैं। आने वाले समय में ये निश्चित रूप से हिंदी तथा भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध होंगे, तब हमारा कार्य शिक्षण क्षेत्र में और भी आसान हो जाएगा।

**शिक्षा में कंप्यूटर के लाभ एवं उपयोग :** वर्तमान में शिक्षण कार्य को रोचक व प्रभावशाली बनाने के लिए कंप्यूटर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कंप्यूटर व इंटरनेट के चलते ही आज बालक घर बैठे शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। कंप्यूटर इंटरनेट टेकनोलॉजी के बढ़ जाने के कारण वर्तमान में स्कूल व कॉलेज में आसानी से कंप्यूटर उपलब्ध होते हैं तथा इनकी सहायता से समार्ट क्लास का आयोजन भी किया जाता है।

**ISBN: 978-81-954645-0-0**

1. **छात्रों को वर्गीकरण :** कंप्यूटर के माध्यम से हम छात्रों को उनकी योग्यताओं, अभिवृतियों , रुझाानों, रुचियों और उपलब्धियों के आधार पर उनका वर्गीकरण कर सकते हैं।

2. **समय सारणी तैयार करना :** शिक्षण में कंप्यूटरों के माध्यम से समय–सारणी तैयार करने के लिए सहायता ली जाती है। हाथों से समय–सारणी तैयार करने में काफी समय लगता है। यदि समय–सारणी कंप्यूटर पर तैयार की जाए तो काफी समय बचत होती है और समय के साथ–साथ उसमें आसानी से परिवर्तन भी किए जा सकते हैं।

3. **समस्या–समाधान और सृजनात्मकता :** विद्यार्थियों को शिक्षण के दौरान अध्यापक द्वारा कोई भी समस्यापूर्ति प्रश्न दे दिया जाता है। बच्चे कंप्यूटर की या इंटरनेट की सहायता से उस समस्या का समाधान ढुंढते हैं। ऐसा करने से उनमें सृजनात्मकता तथा उनका बौद्धिक विकास भी होता है और वह शोध कार्य करने की ओर भी अग्रसर होते हैं।

4. **परामर्श ओर निर्देशन में कंप्यूटर की भूमिका :** शैक्षिक निर्देशन के लिए छात्रों को निदान किया जाता है। उनकी कमजोरियों को पहचाना जाता है तथा कंप्यूटर द्वारा उन्हें उपचारात्मक अनुर्देशन भी प्रदान किए जाते हैं। कंप्यूटरों में पूर्ण संचयी अभिलेखों परामर्शदाता के अभिलेखों, व्यवसायिक रुचियों एंव रुझानों की फाइलों और विवरणों तथ मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की सूचना एवं परिणामों को भंडारित किया जाता है।

5. **कार्यलय उपयोग हेतु कंप्यूटर का प्रयोग :**

शैक्षिक संस्थानों में कंप्यूटर का प्रयोग निम्न तरीकों से किया जाता है।

–शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ की वेतन सूचियों को तैयार करने में

- समय सारणी तैयार करने में
- बजट तैयार करने में
- वित्त शुल्क, फंड, अनुदानों आदि का रख–रखाव के लिए
- लेखा–परीखण करने के लिए
- परिणामों का संकलन करने के लिए
- कोई भी आवश्यक नोटिस तैयार करने के लिए
- दैनिक क्रियाओं की सूची बनाने के लिए

6. **पुस्तकाल में कंप्यूटर का प्रयोग :**

- कंप्यूटर की सहायता से पुस्तकालय सम्बन्धी सभी कार्य आसानी से कर सकते हैं।
- क्षेत्र, शीर्षक, विषय, पुस्तकों के प्रकाशन और आबंटन के अनुसार हज़ारों पुस्तकों और जर्नलों के विवरणों को तैयार करना।
- पुस्तक सूची सम्बन्धी सूचना और सूर्याकरण के विवरणों को तैयार करना।
- पुस्तकों और जर्नलों को खरीद, फरौद का विवरण
- छात्रों से जुर्माना वसूल करने का वर्णन तैयार करना।

**संदर्भ ग्रंथ सूची :**

1. कंप्यूटर और हिंदी (Chapter 37 B) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयों शिक्षा संस्थान
2. इंटरनेट पर उपलब्ध विविध आलेखों से संन्दर्भ से प्रेरित
3. प्रयोजनमूलक हिंदी ओर काव्यांश (डॉ. नरेश मिश्र)

**ISBN: 978-81-954645-0-0** 